'निशान' करेगी पुलिस में सुधारों पर रिसर्च

इंस्पेक्टरों के इस्तीफा मामले में हाईकोर्ट जाएगा संगठन

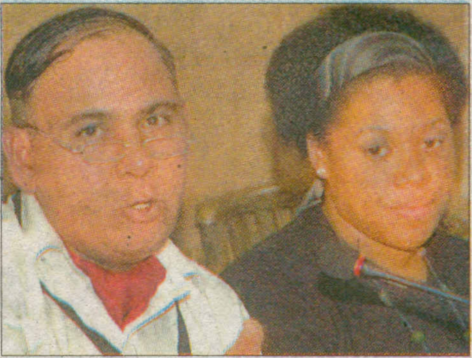

पत्रकारों को संबोधित करते 'निशान' के पदाधिकारी।

जालंधर। निशान अपहोल्डिंग राइट्स एंड जस्टिस ने पंजाब पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधारों पर रिसर्च करने व अधिकारियों की कथित धक्केशाही के खिलाफ आवाज उठाने के लिए 'पुलिस रिफॉर्म्स पीपुल्स पर्सप्रेक्टिव' (पीआरपीपी) लांच की है। लांचिंग समारोह में बीएसएफ के पूर्व सीनियर अधिकारी अरिदमनजीत सिंह, यूके की पूर्व पुलिस अधिकारी मिलेसा जोर्डन, पंजाब पुलिस के पूर्व अधिकारी कंवलजीत सिंह, इंग्लैंड की बैरिस्टर मनीषा सिंह और जतिंदर सिंह शामिल थे।

इस मौके पर 'निशान' ने उन दो पुलिस अधिकारियों के केस को भी उठाने का फैसला किया, जिन्होंने मेहरबानियों के खिलाफ पंजाब पुलिस से इस्तीफा दे दिया था। संस्था के प्रधान अरिदमनजीत सिंह ने कहा कि उनकी रिसर्च पुलिस सुधारों है और वे अभी हरियाणा में वर्क कर रहे हैं। इसके बाद टीम पंजाब में वर्क करेगी। उन्होंने पंजाब पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली पर असंतोष जताया। उन्होंने पत्रकार वार्ता में मौजूद दो थानेदारों राजिंदर सिंह व कमलजीत सिंह के साथ धक्केशाही पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों मेहरबानियों से इतने आहत थे कि उनको नौकरी छोड़नी पड़ी। इसके लिए संस्था हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करेगी। पंजाब में पुलिस के हालात, शक्तियों के दुरुपयोग की रिपोर्ट भी सर्वेक्षण के बाद तैयार की जाएगी। इसके लिए पंजाब के 10 थानों का चयन किया गया है। इस मौके पर दोनों थानेदारों राजिंदर सिंह व कमलजीत सिंह ने कहा कि अपने इस्तीफे के कारण का जिक्र किया। डीजीपी ने उनका इस्तीफा तो मंजूर कर लिया लेकिन कारणों को दूर करने के प्रयास नहीं किए। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में अमर उजाला ने 14 जनवरी के अंक में प्रमुखता से खबर प्रकाशित किया था।